प्रशासक आशीष कुंद्रा ने फॉरेस्ट राइट एक्ट के शीघ्र क्रियान्वयन के लिए बुलाई बैठक

■ सभी 55 एफआरसी कमेटियों को दावों के तत्काल निराकरण का दिया आदेश

सिलवासा 07 नवंबर। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली प्रशासक आशीष कुंद्रा ने आज सिलवासा सचिवालय में फॉरेस्ट राइट एक्ट 2006 के अनुपालन के लिए सभी संबंधित विभागों की संयुक्त बैठक का आयोजन किया। जिसमें रेवेन्यू विभाग के साथ-साथ समाज कल्याण विभाग, जिला पंचायत, वन विभाग के भी अधिकारी इस बैठक में उपस्थित रहे। बैठक में आये अधिकारियों को प्रशासक आशीष कुंद्रा ने कहा कि फॉरेस्ट राइट एक्ट के अनुपालन में हो रही देरी से प्रशासन को मुश्किलों का सामना करना पड रहा है। इसका अनुपालन नहीं होने से तकनीकी खामियाँ और भी बढती जा रही है अतः इस अधिनियम के तहत दावेदारों की तत्काल पहचान कर उन्हें उनकी जमीन उपलब्ध कराई जाएं।

संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली में पिछले 6 दशकों से तेरम एवं चोरटी प्लाटों की मांग को लेकर दानह वन विभाग व स्थानीय आदिवासी एक-दूसरे के आमने सामने आते रहे है। लेकिन सन 2006 में तत्कालिन यूपीए सरकार द्वारा जंगल के जमीन पर आदिवासी समुदाय को उनका अधिकारिक हक दिलाने के लिए फॉरेस्ट राइट एक्ट 2006 अमल में लाया गया। जिसके बाद आदिवासियों को यह आश जगी थी कि उनके पूर्वजों की धरती उन्हें वापस मिल जायेगी लेकिन इस एक्ट के अनुपालन को लेकर सरकार ने जितने कडे प्रावधान बनाये थे उनको पूरा करते-करते दानह प्रशासन को एक दशक लग गया। इस अधिनियम के क्रियान्वयन में हो रही देरी के कारण आज प्रशासक आशीष कुंद्रा ने सिलवासा सचिवालय में सभी विभागों की एक संयुक्त बैठक बुलाई। जिसमें प्रशासक के अलावा दानह के विकास आयुक्त संदीप कुमार, कलेक्टर जी. एस. मीणा, समाज कल्याण निदेशिका मिताली नामचून, जिला पंचायत अध्यक्ष शंकर वाघमारे, जिला पंचायत सीओ बिरेन्द्र चौधरी सहित अन्य अधिकारी प्रमुख रुप से उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि दादरा नगर हवेली में 55 फॉरेस्ट राइट कमेटियाँ बनी है जिनके माध्यम से 3900 दावों का निराकरण कर उन्हें जमीन का हक दिलाया जायेगा। लेकिन पिछले एक दशक से इस अधिनियम के क्रियान्वयन में हो रही देरी के कारण दिन-प्रतिदिन दावेदारों की संख्या बढती जा रही है जो इस अधिनियम की सबसे बडी तकनीकी खामी बनकर उभर रही है। पूरा प्रशासनिक तंत्र अभी तक दावेदारों की सत्यता की ही जाँच करने में उलझा हुआ है। जंगल की जमीन पर दावेदारों की मांगों की प्रशासन अगर मानता है तो आने वाले समय में दादरा नगर हवेली का 10 हजार हेक्टेयर जंगल की जमीन कम हो जावेगी जो जंगल के अस्तित्व के लिए भी एक बडा सवाल है।

प्रशासक आशीष कुंद्रा ने संघ प्रदेश के दानिक्स व आईएएस अधिकारियों के विभागों में किया फेरबदल

संघ प्रदेश से तीन दानिक्स अधिकारी हुए कार्य मुक्त

सिलवासा 7 नवंबर। संघ प्रदेश दमण-दीव व दादरा नगर हवेली प्रशासक आशीष कुंद्रा ने आज अपने प्रशासनिक अधिकारियों के विभागों में बडा उलट फेर करते हुए तीन दानिक्स अधिकारियों वी. के. अवस्थी, के. एस. मीणा तथा सुनील वर्मा को कार्य मुक्त कर दिया क्योंकि इन अधिकारियों का स्थानांतरण गृहमंत्रालय द्वारा कई महीने पहले कर दिया गया था।

प्रशासक आशीष कुंद्रा ने आज जिन अधिकारियों के विभागों में बडा उलट फेर किया उसमें आईएएस अधिकारी मिताली नामचून को और प्रभार दिये गये है जिसके तहत मिताली नामचून को समाज कल्याण विभाग के निदेशक के साथ-साथ एनआरएचएम मिशन डायरेक्टर का भी अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। जबकि अभी तक एनआरएचएम देख रहे जे. पी. अग्रवाल को दमण-दीव का शिक्षा निदेशक बनाया गया है। वहीं नये दानिक्स अधिकारी किशोर कुमार भल्ला को संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली के डिप्टी डायरेक्टर ट्रांसपोर्ट नियुक्त किया गया है। इसके अलावा उनके पास पावर, हेल्थ, पीडब्ल्यूडी, खेल एवं युवा मामले व आर्ट एवं कल्चर का भी अतिरिक्त प्रभार रहेगा। वहीं संघ प्रदेश से कार्य मुक्त हुए तीन दानिक्स अधिकारियों के प्रभार को भी वितरित कर दिया गया है। जिसके तहत नितिन जिंदल को एससी/एसटी कॉर्पोरेशन का महाप्रबंधक के पद की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। दानह के पशु एवं चिकित्सा विभाग के उपनिदेशक डॉ. डी. एम. डुमरालिया को दानह के प्रोजेक्ट डायरेक्टर की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। वहीं खानवेल आरडीसी वेद प्रकाश को ग्रामीण विकास, स्वायल कंजरवेशन के उपसचिव की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी दी गई है। दानिक्स अधिकारी आर. के. सक्सेना को दमण वैट के साथ-साथ पीसीए के सचिव की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी दी गई है।

दानह के किसानों में हार्टी कल्चर को बढावा देने कलेक्टर की अध्यक्षता में हार्टी कल्चर मिशन सोसायटी की हुई बैठक

इस वर्ष 150 किसानों को हार्टी कल्चर फार्मिंग के लिए प्रेरित करने का लक्ष्य

सिलवासा 07 नवंबर। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली के औद्योगिक विकास के साथ-साथ कृषि विकास को भी गति देने के लिए दानह जिला प्रशासन कृषि विकास के लिए कई योजनाओं पर काम कर रहा है। जिसके तहत आज संघ प्रदेश दानह हार्टी कल्चर मिशन सोसायटी की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में दानह के कृषि निदेशक देवेन्द्र दलाई के अलावा कृषि उपनिदेशक डी. आर. जाधव सहित सोसायटी के अन्य सदस्य प्रमुख रुप से उपस्थित रहे। जिसमें सोसायटी द्वारा दादरा नगर हवेली में इस वर्ष लगभग 150 किसानों को हार्टी कल्चर से जोडने का लक्ष्य रखा गया।

संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली जिला अधिकारी ने जी. एस. मीणा ने कहा कि आज उनकी अध्यक्षता में दानह हार्टी कल्चर मिशन सोसायटी की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि दादरा नगर हवेली में इस वर्ष लगभग 150 किसानों को हार्टी कल्चर कृषि कार्य से जोडा जाएं। जिसमें केला, पपीता, फूलों की खेती के अलावा मधुमक्खी पालन भी शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि बैठक में सिंचाई विभाग के अधिकारियों को आदेश दिया कि 10 दिन के अन्दर सभी सिंचाई के साधनों को दुरुस्त कर दिया जाएं नहीं तो कार्यवाही के लिए तैयार रहे। जिला अधिकारी ने कहा कि इस वर्ष जिला प्रशासन हार्टी कल्चर के माध्यम से प्रदेश में कम से कम 150 किसानों को सब्सिडी आधारित खाद-बीज और संसाधन उपलब्ध कराने जा रहा है और आगे भी इसी अनुपात में किसानों का चयन किया जायेगा।